







## संपादकीय

## अद्वितीय आदित्य मिशन

चंद्रयान मिशन की कामयाबी के कुछ ही दिनों बाद भारत के सूर्य मिशन की कामयाबी ने पूरी दुनिया को चौकाया है। सूर्य के अध्ययन के लिये भेजे गये आदित्य एल-1 मिशन के अंतर्गत अंतरिक्ष में एक ऑब्जर्वेटरी रथापित की जाएगी, जिसके जरिये धरती के नजदीकी ग्रह सूर्य के कई रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश की जाएगी। साथ ही अंतरिक्ष की कई हलचलों, मसलन सोलर विड आदि का भी अध्ययन किया जायेगा। हालांकि यूरोपियन एजेंसी समेत कई देशों ने इस तरह के मिशन भेजे हैं, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश द्वारा सीमित संसाधनों के साथ ये लक्ष्य हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। पीएसएलवी-सी 57 के जरिये अंतरिक्ष में भेजे गये आदित्य मिशन का बिलकुल सूर्य के पास जाना संभव नहीं है, लेकिन वह एक निर्णायित स्थान लैंगरेंज प्लाइट से सूर्य की क्रियाओं का अध्ययन करेगा। दरअसल, लैंगरेंज प्लाइट अंतरिक्ष में एक ऐसा स्थान है जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित होता है। इस स्थान पर अंतरिक्ष यान में इंधन की सबसे कम खपत होती है और वह अधिक समय तक काम कर सकता है। सात पेलोड्स लेकर गया यह यान सूर्य की सतह पर ऊर्जा व अंतरिक्ष की अन्य हलचलों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा अंतरिक्ष के मौसम पर भी इसकी नजर रहेगी। निश्चित रूप से सौर हलचलों के अंतरिक्ष के मौसम पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में नई जानकारी मिल सकेगी। निस्संदेह, ये नई जानकारियां मानवता के कल्याण में मददगार बनेंगी। बहरहाल, इस कामयाबी से उत्साहित इसरो को आशा है इस मिशन के जरिये हम सूर्य के बारे में नई जानकारी जुटाने में कामयाब हो सकेंगे। ये तथ्य हमारी वैज्ञानिक उन्नति में भी सहायक बनेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि महज चार साल में बेहद कम लागत में इसरो अपने इस महत्वाकांक्षी मिशन को मूर्त रूप दे पाया है। बेहद कम बजट में बड़े मिशनों को अंजाम देने की इसरो की विशेषता का पूरी दुनिया ने लोहा माना है। पिछले दिनों दुनिया की महाशक्ति रूस व अन्य बड़े देशों के मिशनों की विफलता से इतर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान का सफल मिशन भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा की कहानी कह रहा है। भारत की कामयाबी का एक अद्याय मंगल मिशन भी था। ऐसा करने वाला भारत एशिया का पहला देश था। इसी कड़ी में इसरो अपने महत्वाकांक्षी मानवयुक्त मिशन को अंतिम रूप देने में जुटा है। बहरहाल, रविवार को आदित्य एल-1 यान को दूसरी कक्षा में भेजकर इसरो ने बता दिया है कि मिशन सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। वैसे तो लैंगरेंज प्लाइट तक पहुंचने में आदित्य एल-1 को करीब चार माह का समय लगेगा। सर्वविदित है कि हमारे सोलर सिस्टम के केंद्र में स्थित सूर्य की अक्षय ऊर्जा से ही पृथ्वी पर जीवन संभव हो पाता है। अब इस मिशन से होने वाले अध्ययन से पता चल सकेगा कि सूर्य में होने वाले रासायनिक बदलाव हमारी धरती के जीवन व अंतरिक्ष को किस तरह प्रभावित करते हैं। धरती पर जीवन ऊर्जा के मुख्य स्रोत सूर्य के बारे में इस मिशन के जरिये मिलने वाली जानकारी निस्संदेह, मानवता के कल्याण में सहायक होगी।

## आदित्य नारायण

सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा है कि भारत और सिंगापुर के द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में उनके जीवन मूल के दो प्रतिविविधियों को पराजित किया। अर्थशास्त्री थर्मन 2011 से 2019 तक सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री रहे हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जाने जानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम पर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीति के लिए जानी जाने वाली सिंगापुर की पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीतिक और सांस्कृतिक विविधताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जानेजानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम पर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीतिक और सांस्कृतिक विविधताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जानेजानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम पर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीतिक और सांस्कृतिक विविधताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जानेजानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम पर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीतिक और सांस्कृतिक विविधताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जानेजानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम पर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीतिक और सांस्कृतिक विविधताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जानेजानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम पर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीतिक और सांस्कृतिक विविधताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जानेजानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम पर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीतिक और सांस्कृतिक विविधताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जानेजानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने दें। लेकिन थर्मन शनमुगरलम पर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन कर दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का विषय है। यहांपि नस्लीय राजनीतिक और सांस्कृतिक विविधताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जानेजानेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने द





## आलिया भट्ट ने शेयर किया बीटीएस वीडियो

**बॉ** लीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने रिलीज के एक साल पूरे होने पर अपने पति रणवीर कपूर और 'ब्रह्मांत्र' पार्ट 1: 'शिवा' के कलाकारों के साथ पढ़ के पीछे के कुछ शानदार पल साझा किए। आलिया, रणवीर, अमिताभ बच्चन, नामाजून और मोनी रॉय स्टारर इस फिल्म को शनिवार को एक साल पूरा हो गया। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म के शूटिंग के दौरान बिहाईं द सीन्स मोमेंट्स शामिल हैं। बिल्प की शुरुआत फिल्म के निर्देशक अय्यन मुख्यांगी द्वारा आलिया को यह सिखाने से होती है कि एक सीन को कैसे किया जाए। जिसमें उसे रणवीर को पीछे से गले लगाना है।

हालांकि, सीन करते वक्त एक्ट्रेस और डायरेक्टर जॉर्ज जार से हसने लगे। इसके बाद इसमें रणवीर और आलिया के फर्स्ट लुक टेस्ट, तले अधीव की यात्रा और फिल्म को तेयारी की तर्जीरें दिखाई देती हैं। रणवीर को एक तस्वीर में अपने सिर को कहं तोलिए से ढंके हुए देखा जा सकता है। जिस पर लिखा है 'किसी को बारिश के सीन से नफरत थी'। उनकी ओर रणवीर की सेर की तस्वीर भी है। इसे कैशन देते हुए, आलिया ने लिखा: मैं अपने दिल का एक टुकड़ा आपके साथ शेयर कर रही हूं। यकीन नहीं होता कि इस फिल्म को रिलीज हुए पूरे एक साल हो चुके हैं। शनिवार को, अय्यन ने कहा कि 'ब्रह्मांत्र' के दूसरे और तीसरे पार्ट पर काम चल रहा है।



## मैंने अपने करियर के दौर में बहुत कुछ सीखा: शीजान खान

**जो** धा अकबर', 'तारा फ्रॉम सतारा' और 'अली बाबा: दास्तान-ए-काबुल' जैसे टीवी शो से पहचान बनाने वाले अभिनेता शीजान खान ने बताया कि अपने करियर की शुरुआत में उन्हें कुछ नहीं पता था। उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा के दौरान ही सब सीखा। अभिनेता ने कहा, मेरे परिवार ने भी पहले मुझसे कहा था कि यह मुश्किल हो सकता है। मैं समझ गया कि किसी को समझाने से फहले मुझे खुद को यह समझाना होगा कि यह मेरे लिए कोई आसान काम नहीं है। अगर मुझमें लड़ने की जरा भी भावना है, तो मैं इसमें उत्तरुणा, और पीछे नहीं हटूंगा।

शीजान ने कहा, मैं यह भी जानता था कि 'कुछ तो लोग बोलेंगे' कि मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकता। मैं वास्तव में एक वात में विश्वास करता हूं कि आप भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं। भगवान ने आपके लिए कुछ योजना बनाई है। उनकी योजना आपके लिए बहुत बड़ी है। मैं हमेशा बतेमान में रहा हूं क्योंकि मुझे इसे जीना पसंद है। मैंने यहां अपने दस साल इस सांच के साथ बिताए हैं कि "बुरे बक्स में घबराए ना और अच्छे बक्स में पगलाए ना। उनके करियर के शुरुआती दौर में सही भौके बहुत मायन रखते थे।



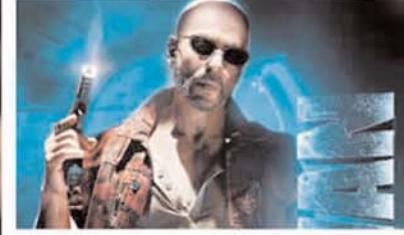
अभिनेता ने कहा, किस्मत आपके दरबाजे पर एक ही बार दस्तक देती है, उसके बाद चलता है मेहनत का सिक्का, जब मुझे अपना पहला प्रोजेक्ट 'जाऊ अकबर' मिला, तो मुझे कुछ नहीं पता था और मैंने अपनी यात्रा के दौरान हमेशा सीखा है।

उन्होंने कहा, आपको हमेशा अपने आप से एक नवागतुक के रूप में व्यवहार करना चाहिए। मैं अपना आलोचक भी खुद हूं मैं हमेशा खुद को बहतर बनाने की कारिश्मा करता हूं, और मेरा मानना है कि सुधार को गुणालेश हमेशा रहती है।

अभिनेता का मानना है कि धेयं जेनेलिया की कूंजी है क्योंकि एक समय ऐसा भी आएगा जब आपके पास काम नहीं होगा। अभिनेता यह भी बताते हैं कि इन्हें सालों में उन्होंने क्या-क्या सीखा। शीजान ने कहा, सब्र होना बहुत जरूरी है। मेरी मां ने मुझे हमेशा सिखाया है कि कोई भी इसे सबसे आसान तरीके से कर सकता है, लेकिन यह कब तक काम करेगा? मैं जो भी काम करूं वह सम्मान के साथ ही किया जाए। काम करना और पूरी प्रक्रिया के दौरान किसीका पालन करना आसान नहीं है।

उन्होंने कहा, हर कदम आपका अगला पाठ है, और आपको हमेशा खुद को सावित करना होगा। आप हर किसी से झुक बाल सकते हैं, लेकिन भगवान और खुद से कभी नहीं।

## बॉक्स ऑफिस पर जवान का डंका



इस समय शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' का लोगों के बीच जवारदस्त क्रेज है। किंग खान की ये फिल्म दर्शकों को कासी पसंद आई है। फिल्म कामाई के मामले में भी इतिहास रचते नजर आ रही है। शाहरुख खान की पिछली रिलीज फिल्म 'ठाठान' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी, हालांकि, अब 'जवान' ने उनका भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फिल्म "जवान" "ठाठान" से दो कदम आगे निकल गई है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ साउथ एक्ट्रेस नवनतारा नजर आ रही है। दोनों की जाँड़ी स्क्रीन पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। पहली बार स्क्रीन पर नजर आ रही है इस कैमिस्ट्री को फैस से भी खूब पसंद किया है। फिल्म में रिखाएं गए धमाकेदार सोन्स की भी खूब तारीफ हो रही है।



## नोरा फतेही ने पीएम मोदी का जताया आभार

**मो** रक्को मूल की एक्ट्रेस नोरा फतेही ने देश में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मोरक्को के प्रति हार्दिक संवेदना और समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। मोरक्को में 6.8 तीव्रता से भूकंप आया, जिसने चारों ओर तबाही मचा दी। रात और कैसाल्कों का समैत मोरक्को के कई शहरों में महसूस किए गए, भूकंप से अब तक 2000 लोगों की मौत की खबर है। एकजुटता का भावपूर्ण प्रदर्शन करते हुए, पीएम मोदी ने भूकंप प्रभावित देश के प्रति अपनी संवेदना और समर्थन बढ़ाया।

एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा, मोरक्को में भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान से बेहद दख्खी हूं। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं, उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। आयल जल्द से जल्द ठीक हो जाए। भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

नोरा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पीएम के लिए एक संदेश साझा किया, जिसमें लिखा, इस बड़े समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद! आप जागरूकता बढ़ाने और मदद का हाथ बढ़ाने वाले देशों में से एक हैं, मोरक्को के लोग वहूत आभारी हैं। जब हिंदू काम के मौर्चे पर, नोरा पहली बार 'क्रेक' नामक एक स्पाइस-एक्शन फिल्म में विद्युत जामवाल और अनुन रामपाल के मध्य भूमिका में खिलाई दी गई। उनके पास पाइपलाइन में 'मटका', 'डॉसिंग डंड' और कुणाल खेमू की 'मडगांव एक्सप्रेस' जैसी फिल्म रंग दे वसंती से जुड़ गई हैं।

## यश कुमार की फिल्म चाची नंबर 1 का ट्रेलर रिलीज



**भो** जपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की आने वाली फिल्म चाची नंबर 1 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यश कुमार एंटरटेनमेंट प्रस्तुत फिल्म चाची नंबर 1 का ट्रेलर इंटरर०१० रेंजों के आॉफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इस फिल्म में यश कुमार चाची की भूमिका में नजर आ रहे हैं जो अपनी बेटी के लिए अपने ससुर के घर में नोकरानी बनकर रहते हैं। फिल्म की कहानी एक तलाकशुदा मां वाप की है जिसमें पिता अभिनवी रक्षा गुप्ता के बीच तलाक से, जहां तलाक के बाद उनके बच्चे को किस्टडी मां को मिल जाती है। फिल्म चाची नंबर 1 का निर्माण यश कुमार इंटरटेनमेंट और निधि मिशन के बैनर तले हुआ है। इस फिल्म के जरिए एक गंभीर सवाल को उठाया गया है। अक्षय आज के दिनों में पर्टी-पल्सी एक दूसरे से अलग हो रहे हैं लेकिन इस बीच में सबसे ज्यादा नुकसान उनके बच्चों को हो रहा है जो अपने माता-पिता के साथ रहना चाहता है।



## 2024 में रिलीज होनी अक्षय की वेलकम टू द जंगल



**बॉ** लीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म टू द जंगल 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी। अक्षय कुमार फिल्म वेलकम टू द जंगल में मुख्य भूमिका निभाते नजर आयेंगे। वर्ष 2007 में प्रदर्शित 'वेलकम' में अक्षय कुमार की मुख्य भूमिका थी। हालांकि वेलकम 2 यानी वेलकम बैक से अक्षय को रिप्लेस किया गया, लेकिन अब 'वेलकम 3' में उनकी वापसी होगी। अक्षय कुमार ने 09 सितंबर की अपना जन्मदिन मनाया है। इस अवसर पर अक्षय ने 'वेलकम टू द जंगल' का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर करते हुए आज ही अपांकों वे तड़का अच्छा लगा तो शुक्रिया कहांगे। और मैं आपको 'वेलकम' कहूंगा। वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार के संजय दत्त, अरशद वारसी, जेकलीन फनर्डिस, सुनील शंडी, दिशा पाटी, परेश गवल की अहम भूमिका होंगी। यह फिल्म 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी।



## जेनेलिया की तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर अफवाह हुई तेज

**अ** भिनता रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख मनारंजन जगत के एक लोकप्रिय जोड़ है। रितेश वीडियो के बाद यह अफवाह उड़ गई है कि जेनेलिया दोबारा प्रोनेंट है। जेनेलिया और रितेश देशमुख दोनों हाल ही में मुख्य में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वीडियो में रितेश और जेनेलिया हाथों में हाथ डाले इवेंट में पहुंचते नजर आ रहे हैं। इस वार जेनेल

